दायित्व हस्तांतरण

व्यक्ति लक्ष्य से विचलित न हो : युवाचार्यश्री महाश्रमण

गोपालपुरा, 29 अप्रैल।

आज आचार्यश्री महाप्रज्ञ अपनी धवल सेना के साथ बीदासर से विहार कर गोपालुरा पधारे। जहां आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति बीदासर के अध्यक्ष श्री बाबूलाल सेखानी सहित बीदासरवासियों ने पूज्यवरों के सान्निध्य में मंगल पाठ के साथ अपना दायित्व हस्तांतरण आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति लाडनूं के अध्यक्ष श्री शांतिलाल बरमेचा सहित प्रवास समिति के पदाधिकारियों को ध्वज देकर किया।

इस अवसर पर युवाचार्य श्री महाश्रमण ने गोपालपुरा के स्थानी विद्यायल में एक दिवसीय पड़ाव के दौरान प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति में भाषा का विकास न हो तो व्यवहार में कठिनाई होती है। विचार भाषा पर आरूढ होते हैं, दूसरे व्यक्ति उसे ग्रहण करते हैं। कई प्राणियों में भाषा होती नहीं हैं। कुछ व्यक्ति साफ बोल नहीं पाते ऐसी स्थिति में भाषावान मनुष्य यह सोचे कि मैं भाषा का दुरुपयोग न करूं।

युवाचार्यश्री ने फरमाया कि साधु के लिए अपेक्षित है कि वह झूठ का प्रयोग न करे। उनकी भाषा यथार्थ का उद्‌बोध करने वाली होनी चाहिए। आचार्य भिक्षु के मार्ग में अनेक कठिनाइयां आई किन्तु वे दिव्य पुरुष थे चलते रहे। जो व्यक्ति अपना लक्ष्य बनाता है वह उससे विचलित न हो, कठिनाई आए तो उन्हें सहज भाव से झेलने का प्रयास करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए।

युवाचार्यप्रवर ने तीन श्रेणियों का उल्लेख करते हुए कहा कि निम्न कोटि के वे व्यक्ति हैं जो कार्य को शुरू करते नहीं है और मध्यम कोटि के वे व्यक्ति हैं जो कार्य को शुरू करते हैं किंतु बाधा आने पर बीच में ही छोड़ देते हैं और उत्तम कोटि के वे व्यक्ति होते हैं जो बाधा आने पर घबराते नहीं है और आगे बढ़ते रहते हैं।

- अशोक सियोल

99829 03770